डॉ0 रमाकान्त शुक्ल : संक्षिप्त परिचय

1. **(i) नाम** : रमाकान्त शुक्ल

   (ii) **पिता** : (स्व.) श्री ब्रह्मानन्द शुक्ल

   (iii) **माता** : (स्व.) श्रीमती प्रियंवदा शुक्ला

2. (i) **पता** : रमालय, आर 6, वाणी विहार, नई दिल्ली-110059

   दूरभाष : 011-28561846, मो. 09560532392

   ईमेल :- sarvashukla@gmail.com

   (ii) **जन्मस्थान** : खुर्जा, जिला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश

3. **जन्मतिथि** : 24.12.1940

4. **अर्हताएं**

(क) अध्ययन का स्थान : श्रीराधाकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय, खुर्जा (उत्तर प्रदेश) (राजकीय संस्कृत कॉलेज, बनारस तथा वाराणसेय/ सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से सम्बद्ध)

अध्ययन की अवधि : 1951 से 1975 (प्रथमा से साहित्याचार्य पर्यन्त परम्परागत ढंग से अध्ययन।
शास्त्री, साहित्य, 1959 प्रथम श्रेणी, बनारस
आचार्य, साहित्य, 1962 प्रथम श्रेणी, बनारस
एन.आर.ई.सी. कॉलेज खुर्जा (आगरा वि०वि०) से हिन्दी एम०ए० प्रथम श्रेणी स्वर्ण पदक प्राप्त (1961)
व्यक्तिगत छात्र के रूप में 1964 में एम०ए० संस्कृत (आगरा वि०वि०) से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण
पीएच.डी 1967 (आगरा वि.वि.), विषय : जैनाचार्य रविषेण कृत पद्मपुराण (संस्कृत) एवं तुलसीकृत रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन।
आचार्य, सांख्ययोग (व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण)1975, गुजरात

संस्कृत विद्या के संस्थागत गुरु : कुलगुरु विद्यावाचस्पति पं० परमानन्द जी शास्त्री
व्याकरण गुरु पं० कुबेरदत्त जी शास्त्री
साहित्य गुरु पं० ब्रह्मानन्द जी शुक्ल
एम.ए. संस्कृतपूर्वार्ध के गुरु आचार्य डा. रमेशचन्द्र जी शुक्ल

(ख) शिक्षक/शोधकर्ता के रूप में डॉ. रमाकान्त शुक्ल पदनाम सहित कार्य का स्थान

विशिष्टता प्राप्त विषय : श्रेण्य संस्कृत साहित्य तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य

: संस्कृत साहित्य, प्राकृत, अपभ्रंश तथा हिन्दी का

(ग) अध्यापन के तौर पर अवधि तथा कार्य स्थान :

(i) श्रीराधाकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय, खुर्जा (उत्तर प्रदेश) में एक वर्ष, 1960 में साहित्य शास्त्री कक्षा का अध्यापन

(ii) 1962 से मुलतानीमल मोदी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, मोदी नगर (उ०प्र०) में हिन्दी-विभाग के प्राध्यापक पद पर नियुक्ति जहां अन्य विषयों के साथ एम० ए० हिन्दी कक्षाओं को संस्कृत एवं पालि का विकल्प 31.7.1967 तक पढ़ाया । 01.08.1967 से 2005 (सेवानिवृत्ति वर्ष तक) दिल्ली विश्वविद्यालय के राजधानी कॉलेज में वरिष्ठ प्राध्यापक और रीडर के पद पर हिन्दी विषय में निर्धारित संस्कृत पाठ्यक्रम का अध्यापन । दिल्ली विश्वविद्यालय में उत्तररामचरितम् तथा संस्कृत साहित्य के इतिहास का अध्यापन (35 वर्ष)

(iii) इसके अतिरिक्त 1976 में देववाणी परिषद्, दिल्ली की स्थापना की जहाँ संस्थापक महासचिव के रूप में 1976 से 24.12.2016 तक तथा 24.12.2016 से आज तक अध्यक्ष के रूप में स्वान्तः सुखाय संस्कृत का निःशुल्क अध्यापन, संस्कृत श्लोक पाठ शिक्षण तथा संस्कृत के शुद्ध उच्चारण का शिक्षण कर रहे हैं। समकालीन संस्कृत रचनाओं पर व्याख्यान तथा प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में सतत भागीदारी। विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध कर रहे छात्रों की निःशुल्क सहायता।

(iv) 'अर्वाचीनसंस्कृतम्' त्रैमासिक संस्कृत पत्रिका का 15.07.1979 से अद्यावधि सतत सम्पादन और प्रकाशन कर रहे हैं।

(v) सन् 2010, 2011 तथा 2012 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुख्यालय नई दिल्ली में 'शास्त्रचूडामणि विद्वान्' के रूप में 'संस्कृत पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित साहित्यिक कृतियों का सूचीकरण एवं संक्षिप्त परिचय' शीर्षक शोध परियोजना के निदेशक के रूप में सञ्चालन किया। 60,000 से अधिक प्रविष्टियाँ संकलित कीं।

(vi) श्रीशंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली में 2013 में सम्मानित आचार्य के रूप में कार्य किया।

(vi) अनेक संस्थाओं द्वारा आयोजित सेमिनारों तथा पुनस्चर्या कार्यक्रमों में स्रोतव्यक्ति के रूप में संस्कृत, हिन्दी तथा प्राकृत साहित्य से सम्बद्ध व्याख्यान प्रदत्त।

5. मुख्य अधीत ग्रन्थ

1. साहित्यदर्पण
2. काव्यप्रकाश
3. ध्वन्यालोक
4. रसगंगाधर
5. कुवलयानन्द
6. पञ्चमहाकाव्य
7. प्रमुख नाटक आदि
8. कादम्बरी
9. दशकुमारचरितम्
10. वासवदत्ता
11. स्तुतिकुसुमांजलिः
12. समकालीन संस्कृत की रचनाएँ

६. डॉ. रमाकान्त शुक्ल के द्वारा लिखित, सम्पादित, अनूदित ग्रंथ, रचनाएँ, लेख तथा भूमिका आदि।

(क) प्रकाशित ग्रन्थ :

1. जैनाचार्य रविषेणकृत पद्मपुराण और तुलसीकृत रामचरितमानस।

(उ०प्र० शासनपुरस्कृत) इस शोध प्रबन्ध में सप्तम शताब्दी के संस्कृत कवि जैनाचार्य रविषेण कृत पद्मपुराण (23018 श्लोक) का विशद अध्ययन एवं तुलसीकृत रामचरितमानस के साथ तुलना की गयी है। प्रकाशक – वाणी परिषद्, दिल्ली, 1974।

2. उत्तररामचरितप्रियम्वदाव्याख्या (सहलेखन)।
   प्रकाशक : साहित्य भण्डार, मेरठ, वर्ष 1964 से अब तक 20 संस्करण।

(ख) प्रकाशित काव्य :

3. भाति मे भारतम् (उ०प्र० संस्कृत अकादमी-पुरस्कृत काव्य)। 1980 से 2016 तक 12 संस्करण प्रकाशित जिनमें तीन संस्करण गुजराती अनुवाद, हिन्दी पद्यानुवाद तथा अंग्रेजी पद्यानुवाद के साथ भी प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली।
4. जय भारतभूमे (उ० प्र० संस्कृतअकादमी-पुरस्कृत काव्य)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष – 1981 तथा 2002।
5. भाति मौरीशसम् (काव्य)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष – 1984
6. दूरदर्शने प्रस्तुतम् भाति मे भारतम्। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 1993
7. भारतजनताहम् (दिल्ली संस्कृत अकादमी से पुरस्कृत तथा उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के 2002 वर्ष के 'कालिदास-पुरस्कार' से सम्मनित कवितासंकलन)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 2001 एवं 2002
8. सर्वशुक्ला (संस्कृत कविता संग्रह)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 2003
9. सर्वशुक्लोत्तरा (उ.प्र.संस्कृत संस्थान द्वारा विशेष पुरस्कार से सम्मानित, संस्कृत कविता संग्रह)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष, 2008
10. आशा-द्विशती (संस्कृत मुक्तक कविता)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 2012
11. मम जननी (भारतीय विद्या भवन दिल्ली द्वारा कौस्तुभ पुरस्कार से तथा उ.प्र.संस्कृत संस्थान द्वारा विशेष पुरस्कार से सम्मानित, संस्कृत कविता संग्रह)। प्रकाशक –देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष –2013
12. राजधानी-रचना: (उ.प्र.संस्कृत संस्थान द्वारा विशेषपुरस्कार से सम्मानित, संस्कृत कविता संग्रह)। प्रकाशक : देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष, 2015
13. कान्त काव्यामृतम् (संस्कृत काव्यसंकलनम्), आरती प्रकाशन, लालकुआँ (नैनीताल) 2017
14. कान्त काव्यांजलि : प्रकाशक : देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 2017
15. कान्त काव्यामृतम् (संस्कृत काव्यसंकलनम्), परिवर्धितम् संस्करणम्, साहित्यभूमि, नई दिल्ली 2018

(ग) नाट्यकृतियाँ :

1. पण्डितराजीयम् (उ०प्र० संस्कृत अकादमी-पुरस्कृत ध्वनि नाटक)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 1984
2. अभिशापम् (उ०प्र० संस्कृत अकादमी-पुरस्कृत ध्वनिनाटक)। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 1985
3. पुरश्चरणकमलम्। प्रकाशक – देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 1983

4. नाट्यसप्तकम्, (दिल्ली संस्कृत अकादमी के अखिल भारतीय मौलिक साहित्य रचना पुरस्कार से सम्मानित)। प्रकाशक - देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 1992
5. शुचिगान्धीयम्। प्रकाशक - देववाणी-परिषद्, दिल्ली। (अर्वाचीनसंस्कृतम् में प्रकाशित) प्रकाशन वर्ष 2002

(घ) टीका

1. वसुमतीशतकम् की रमा टीका। प्रकाशक - वेफ्ट, चेन्नई। प्रकाशन वर्ष 2013

(ङ) सम्पादित ग्रन्थ :

1. संस्कृतसुधा। प्रकाशक - यंग मेन एण्ड कम्पनी, दिल्ली, प्रकाशन वर्ष - 1967
2. संस्कृगद्यगुच्छः। प्रकाशक - यंग मेन एण्ड कम्पनी, प्रकाशन वर्ष - 1968
3. देववाणीदर्शनम्। प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1979
4. अर्वाचीनसंस्कृत-महाकाव्यविमर्शः (प्रथमखण्डः)।
   प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1980
5. अर्वाचीनसंस्कृत-महाकाव्यविमर्शः (द्वितीयखण्डः)।
   प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1981
6. अर्वाचीनसंस्कृत-महाकाव्यविमर्शः (तृतीयखण्डः)।
   प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1981
7. अर्वाचीनसंस्कृत-साहित्य-परिचयः (प्रथमखण्डः)।
   प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1982
8. अर्वाचीनसंस्कृत-साहित्य-परिचयः (द्वितीयखण्डः)।
   प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1991
9. अर्वाचीनसंस्कृत-संग्रहः (प्रथमखण्डः)।
   प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1992
10. अर्वाचीनसंस्कृत-संग्रहः (द्वितीयखण्डः)।
    प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1992
11. अर्वाचीनसंस्कृत-संग्रहः (तृतीयखण्डः)।
    प्रकाशक - देववाणी परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष -1992
12. अर्वाचीनसंस्कृतम् (त्रैमासिकपत्रम्) १९७९ से सतत प्रकाशित। अब तक 159 अंक प्रकाशित। (दिल्ली संस्कृत अकादमी के अखिल भारतीय संस्कृत पत्रकारिता सम्मान, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के 'नारद पुरस्कार' तथा दिल्ली लाईब्रेरी बोर्ड के रु. एक लाख के प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत 28.03.2018)
13. श्री सत्यदेववासिष्ठकृत श्रीविष्णुसहस्रनामसत्यभाष्यम्। (तृतीय संस्करण 1996)।
    प्रकाशक - श्रीहरिट्रस्ट, भिवानी।
14. श्री सत्यदेववासिष्ठकृत श्रीविष्णुसहस्रनामसत्यभाष्यम्
    (राष्ट्रभाषानुवाद सहित 2500 पृष्ठों में चतुर्थ संस्करण 2005)। प्रकाशक- श्रीहरिट्रस्ट, भिवानी।
15. श्री सत्यदेववासिष्ठकृत नाडीतत्त्वदर्शनम्। (राष्ट्रभाषानुवाद सहित)।
    प्रकाशक -श्रीहरि हेल्थ एण्ड एजुकेशन फाउण्डेशन,भिवानी व नई दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 2007।
16. आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची (सह-सम्पादन)।
    प्रकाशक- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली। प्रकाशन वर्ष - 2012
17. स्तुति-कुसुमाञ्जलिः। प्रकाशक- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली। प्रकाशनाधीन। 2015
18. संस्कृतपत्रिकापीयूषम्। (चार भागों में), (आचार्यराधावल्लभत्रिपाठिसमभिनन्दनग्रन्थः)।

प्रकाशक - देववाणी-परिषद्, दिल्ली। प्रकाशन वर्ष 2015

(च) अनूदित ग्रन्थ :

1. अन्यापदेशकाव्यम्। मूल संस्कृत कवि - श्रीसुन्दरराजन्। हिन्दी अनुवाद - डॉ.रमाकान्त शुक्ल
2. श्रीहनूमत्पंचाशत्। मूल संस्कृत कवि - श्रीसुन्दरराजन्। हिन्दी अनुवाद - डॉ.रमाकान्त शुक्ल
3. शरणागति षोडशी। मूल संस्कृत कवि - श्रीनिधिराघवार्य। हिन्दी अनुवाद - डॉ.रमाकान्त शुक्ल
4. गंगास्तुतिः। मूल संस्कृत कवि - श्रीनिधिराघवार्य। हिन्दी अनुवाद - डॉ.रमाकान्त शुक्ल
5. अमीना। मूल अंग्रजी लेखक - मोहम्मद कबीर उमर। संस्कृत अनुवाद - डॉ.रमाकान्त शुक्ल
6. कूहा खण्डकाव्य। मूल संस्कृत लेखक - डॉ० उमाकान्तशुक्ल।
   हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवादक डॉ.रमाकान्त शुक्ल।प्रकाशक -देववाणीपरिषद्, दिल्ली।
   प्रकाशन वर्ष - 1984
7. जलियाँवालाकाण्डम् (नाटक)। श्रीरईस-अहमदकृतस्य उर्दुनाटकस्य संस्कृतानुवादः।

८ साहित्य अकारमी द्वारा प्रदत्त, आठ कवियों की हिन्दी, पंजाबी और डोगरी कविताओं का संस्कृत पद्यानुवाद (2013)

(छ) प्रकाशनाधीन ग्रन्थ :

1. अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यकोश।
2. सहस्रनामकोश।
3. काव्यप्रकाश की सुदर्शनी टीका

(छ). भूमिका तथा प्रस्तावना (संस्कृत में) से युक्त संस्कृत ग्रन्थ

१. **देववाणी-विलासः** (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (२२.१.१९७८)
२. **सुगमरामायणम्** (आचार्य रमेशचन्द्र शुक्लः) (१८.८.१९७८)
३. **द्वितीयवार्षिकाधिवेशनस्मारिका** (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (१२.२.१९७९)
४. **अर्वाचीनसंस्कृतमहाकाव्यविमर्शः** (i) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (१०.७.१९७९)
५. **श्रीकृष्णचरितम्** (आचार्य रमेशचन्द्र शुक्लः) (३०.११.१९७९)
६. **देववाणी-दर्शनम्** (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (१३.१२.१९७९)
७. **तृतीयवार्षिकाधिवेशनस्मारिका** (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (२१.३.१९८०)
८. **अर्वाचीनसंस्कृतमहाकाव्यविमर्शः** (II) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (२७.५.१९८०)
९. **कर्णभूषणम्** (डॉ० सी०आर० स्वामिनाथन्) (१५.७.१९८०)
१०. **हरविजयस्य साहित्यिकमध्ययनम्** (डॉ० कृष्णकान्त शुक्लः) (२१.८.१९८०)
११. **भाति मे भारतम्** (प्रथम संस्करणम्) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (२२.११.१९८०)
१२. **श्रीमदप्पयदीक्षितचरितम्** (डॉ० हरिनारायण दीक्षितः)(९.२.१९८१)
१३. **भारतस्वातन्त्र्यसंग्रामेतिहासः** (डॉ० रमेशचन्द्र शुक्लः)(१४.३.१९८१)
१४. **आभाणकमञ्जरी** (पं० टी०वी० परमेश्वर अय्यरः)(१३.५.१९८१)
१५. **सदाशयसमुच्चयः** (पं० टी०वी०परमेश्वर अय्यरः) (२७.५.१९८१)
१६. **मेघदूत : एक विश्लेषण** (डॉ० देवीदत्त शर्मा) (१८.६.१९८१)
१७. **रघुवंश : एक विश्लेषण** (डॉ० देवीदत्त शर्मा) (२.७.१९८१)
१८. **अभिज्ञानशाकुन्तल : एक विश्लेषण** (,,) (१७.७.१९८१)
१९. **कालिदास की कला और संस्कृति** (II) (,,) (१७.७.१९८१)
२०. **अर्वाचीनसंस्कृतमहाकाव्यविमर्शः** (III) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्लः) (१३.१२.१९८१)
२१. **जय भारतभूमे (प्र०सं०)**(डॉ०रमाकान्तशुक्लः) (२४.१२.१९८१)

२२. **साधारणीकरण और समानान्तर चिन्तन की पूर्वपीठिका** (डॉ० सुलेखचन्द्र शर्मा) (२१.३.१९८२)
२३. **राधाकृष्णरसायनम्** (श्री ओट्टूर उण्णि नम्बूदिरीपाद:) (६.७.१९८२)
२४. **अभिनवहनुमन्नाटकम्** (आचार्य रमेशचन्द्रशुक्ल:) (१५.८.१९८२)
२५. **अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यपरिचय:** (I) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्ल:) (२१.८.१९८२)
२६. **पूर्णकुम्भ:** (पं० विष्णुकान्त शुक्ल:) (२७.१०.१९८२)
२७. **भट्टनायक और अभिनवगुप्त की साधारणीकरणविषयक अवधारणा** (डॉ० सुलेख चन्द्र शर्मा) (१५.११.१९८२)
२८. **स्फूर्तिसप्तशती** (डॉ० शिवदत्तशर्मा चतुर्वेदी) (२९.१२.१९८२)
२९. **साहित्यकौतुकम्** (पं० टी०वी० परमेश्वर अय्यर:) (१९.१.१९८३)
३०. **षष्ठवार्षिकाधिवेशनस्मारिका** (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्ल:) (२१.१.१९८३)
३१. **संस्कृत साहित्य में राष्टिय भावना** (प्रथम खण्ड) **(डॉ० हरिनारायण दीक्षित)** (११.२.१९८३)
३२. **श्रीबदरीशसुप्रभातम्** (डा० सी०आर० स्वामिनाथन्) (१०.३.१९८३)
३३. **रसदर्शनम्** (प्रथमसंस्करण) (डॉ०रमेशचन्द्रशुक्ल:) (४.६.१९८३)
३४. **अभिनवोत्तर संस्कृत काव्यशास्त्र में साधरणीकरणविमर्श** (डॉ० सुलेख चन्द्र शर्मा) (५.६.१९८३)
३५. **संस्कृत साहित्य में राष्ट्रिय भावना** (द्वितीय खण्ड) (डॉ० हरिनारायण दीक्षित) (१.८.१९८३)
३६. **संस्कृत साहित्य में राष्ट्रिय भावना** (तृतीय खण्ड) (डॉ० हरिनारायण दीक्षित) (१५.८.१९८३)
३७. **श्रीपादसप्तति: श्रीपादपरागव्याख्या** (डा० सी०आर० स्वामिनाथन्) (३१.८.१९८३)
३८. **उच्छिष्टगणपतिमहाकल्प:** (डा० सी०आर० स्वामिनाथन्) (४.११.१९८३)
३९. **श्रीबदरीशतरङ्गिणी** (श्री० श्रीसुन्दरराजन्) (१३.१२.१९८३)
४०. **सुरश्मिकाश्मीरम्** (श्री० श्रीसुन्दरराजन्) (२४.१२.१९८३)
४१. **संस्कृतसङ्गीतक-संस्कृतनाट्यसमारोह-विवरणिका** (डा० रमाकान्त शुक्ल:) (२८.११२.१९८३)
४२. **पुरश्चरणकमलम्** (डा० रमाकान्त शुक्ल:) (१३.१२.१९८३)
४३. **साधरणीकरण : प्राच्य एवं प्रतीच्य चिन्तन** (डॉ० सुलेख चन्द्र शर्मा) (१३.१२.१९८३)
४४. **रसदर्शनम् (द्वितीय संस्करणम्)**(डा० रमेशचन्द्र शुक्ल:)(१.१.१९८४)
४५. **संस्कृत साहित्य में राष्ट्रिय भावना (सम्पूर्ण)** (डा० हरिनारायण दीक्षित) (२६.१.१९८४)
४६. **आराधना** (सं० मण्डन मिश्र:) (१३.३.१९८४)
४७. **भाति मौरीशसम्** (डा० रमाकान्त शुक्ल:) (१५.४.१९८४)
४८. **साधारणीकरण और समानान्तर चिन्तन** (डॉ० सुलेखचन्द्र शर्मा) (२१.८.१९८४)
४९. **कूहा** (डा० उमाकान्त शुक्ल:) (१३.१२.१९८४)
५०. **पण्डितराजीयम्** (डॉ० रमाकान्त शुक्ल:) (२४.१२.१९८४)
५१. **कृष्णात्परं किमपि तत्त्वमहं न जाने** (आचार्य रमेशचन्द्र शुक्ल:) (१.१.१९८५)
५२. **अभिशापम्** (डा० रमाकान्त शुक्ल:) (२.१.१९८५)
५३. **सारस्वतसमुन्मेष:** (डा० विन्ध्येश्वरीप्रसाद मिश्र 'विनय:') (७.१.१९८५)
५४. **रस सिद्धान्त और नाटक** (डॉ० सुन्दरलाल कथूरिया) (२.७.१९८५)
५५. **नवभारतपुराणम्** (डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल:) (१५.८.१९८५)
५६. **अभागभारतम्** (श्री० सुन्दरराज:) (३०.१०.१९८५)
५७. **महाप्रयाणम्** (कविरत्न श्रीकृष्ण सेमवाल:) (३०.१०.१९८५)
५८. **काव्याञ्जलि:** (डॉ० रमाकान्त शुक्ल:) (२९.१२.१९८५)
५९. **अध्यात्मरामायण में अध्यात्म-चिन्तन** (श्री त्रिगुणानन्द शुक्ल) (१२.१०.१९८६)
६०. **निकषा (उपन्यास:)** (डॉ० केशवचन्द्र दाश:) (१७.१०.१९८६)
६१. **श्रीगरुडध्वजसपादशतकम्** (डॉ० रामकिशोरमिश्र:)(१३.१२.८६)
६२. **संस्कृतसेवक: स्वामिनाथ:** (डा० रमाकान्तशुक्ल:) (९.३.१९८७)
६३. **नूतनसत्यनारायणकथा** (डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल:) (११.७.१९८७)

६४. **लक्ष्मीशतकम्** (डॉ० वरदाचार्य कण्णन्) (२१.८.१९८७)
६५. **ऋतम्** (डा० केशवचन्द्र दाश:) (१३.१२.१९८७)
६६. **दयानन्दसूक्तिसप्तशती** (पं० शिवकुमार मिश्र:) (१३.१२.८८)
६७. **श्री नेहरूवृत्तम्** (डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल:) (२६.१.१९८९)
६८. **कालिदास की जन्मभूमि गढ़वाल हिमालय** (पं० धर्मानन्द जमलोकी) (२२.६.१९८९)
६९. **भाति मे भारतम्** (द्वितीय संस्करणम्) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्ल:) (२१.८.१९८९)
७०. **गान्धिसूक्तिसप्तशती** (पं० शिवकुमार मिश्र:) (२१.८.१९८९)
७१. **श्रीसीताचरितम्** (आचार्य डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल:) (१९८९)
७२. **श्रीगान्धिचरितम्** (प्रो० चारुदेव शास्त्री) (२.१०.१९८९)
७३. **श्रीराधाचरितम्** (आचार्य डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल:) (१९८९)
७४. **दूतप्रतिवचनम्** (डा० इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव:') (२४.१२.८९)
७५. **भाति मे भारतम् (तृतीय संस्करणम्)** (डा० रमाकान्त शुक्ल:)(२१.८.१९९०)
७६. **अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यपरिचय:** (II) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्ल:) (१२.२.१९९१)
७७. **'अर्वाचीनसंस्कृत'संग्रह:** (I) (सं० डॉ० रमाकान्त शुक्ल:) (६.१.१९९२)
७८. **'अर्वाचीनसंस्कृत'संग्रह:** (II) (,,) (६.१.१९९२)
७९. **'अर्वाचीनसंस्कृत'संग्रह:** (III) (,,) (६.१.१९९२)
८०. **गीतिमञ्जरी** ('कविरत्न' ओम्प्रकाशठाकुर:) (८.२.१९९२)
८१. **नाट्यसप्तकम्** (डा० रमाकान्त शुक्ल:) (२१.८.१९९२)
८२. **जय भारतभूमे!** (द्वितीयसं०)(डा०रमाकान्त शुक्ल:)(२१.८.९२)
८३. **श्रीहनूमत्पञ्चाशत् तथा शरणागतिषोडशी** (श्री श्री०सुन्दरराज:) (२४.१०.१९९२)
८४. **राजनीतिलीलाशताधिकम्** (डा० दीपक घोष:) (१९९३)
८५. **दूरदर्शन प्रस्तुतं भाति मे भारतम्** (डा० रमाकान्त शुक्ल:)
८६(85). **सत्प्रेरणानाटकम्** (इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव:') (१५.११.१९९५)
८७(86). **निस्यन्दिनी** (डा०जनार्दनप्रसाद पाण्डेय:'मणि:')
८८(87). **श्रीजगन्नाथसुप्रभातम् तथा अन्यानि स्तोत्राणि** (श्री० सुन्दरराज:)
८९(88). **कवितावलि:**(अनुवादकाव्यम्)(डा० प्रेमनारायण द्विवेदी)
९०(89). **भाति मे भारतम् (चतुर्थं संस्क.)** (डा० रमाकान्तशुक्ल:) (११.९.१९९९)
९१(89A). **भाति मे भारतम् (पञ्चमं सजिल्दं विश्व संस्क.)** (डा० रमाकान्तशुक्ल:) (१३.१२.२०००)
९२(89B). **भाति मे भारतम् (षष्ठं सजिल्दं विश्व संस्क.)** (डा० रमाकान्तशुक्ल:) (२१.८.२००१)
९३(90). **भाति मे भारतम् (षष्ठं छात्र संस्क.)** (डा० रमाकान्तशुक्ल:) (२१.८.२००१)
९४(91). **भारतजनताहम्** (प्रथमं संस्क.)(डा० रमाकान्तशुक्ल:) (२४.१२.२००१)
९५(91A). **भारतजनताहम्** (पुनर्मुद्रणं)(डा० रमाकान्तशुक्ल:) २००२
९६(92). **समुज्ज्वला** (अभिनवगीतमञ्जूषा)(डा० इच्छाराम द्विवेद:'प्रणव:') (२१.८.२००२)
९७(93). **भाति मे भारतम् (सप्तमं छात्रसंस्करणम्)** (डा० रमाकान्त शुक्ल:)
९८(94). **अन्योक्तिरत्नावली** (संस्कृत-मुक्तक-मञ्जूषा)(डा० इच्छाराम द्विवेद:'प्रणव:') (१५.११.२००२)
९९(95). **प्रकाशकिरणावली** (पं० प्रकाशचन्द्र मिश्र:) (१३.२.२००२)
१००(96). **सर्वशुक्ला (प्रथम: खण्ड:)** (डा० रमाकान्त शुक्ल:) (२००३)
१०१(97). **श्री उच्छिष्टगणपतिरहस्यम्** (पं० दुर्गाचरण शर्मा) (२००३)
१०२. **शाश्वती** (डॉ० रामविनय सिंह) (२००३)
१०३. **प्रश्नचिह्नम्** (डॉ० इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव') (२००३)
१०४. **प्रणवरचनावली** (डॉ० इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव') (२००३)
१०५. **प्रणवचतुष्टयी** (डॉ० इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव') (२००४)

१०६. **श्री सुन्दरराज-रचनावली** (श्री सुन्दरराजन) (२००५)
१०७. **श्रीमद्रामचरितमानसम्** (डॉ० प्रेम नारायण द्विवेदी) (२००५)
१०८. **भाति मे भारतम्** (हिन्दी पद्य रूपान्तर : कर्ण पाराशर) (२००५)
१०९. **भाति मे भारतम्** (गुजराती अनुवाद तथा लिप्यन्तरण): डॉ.मनसुखभाई पटोलिया) (२०१०)
११०. **कथाञ्जलिः** (डॉ.योगेन्द्रनारायण शुक्ल-डॉ.अर्चना जोशी) (२०१२)
१११. **श्रीस्वामिविवेकानन्दचरितमहाकाव्यम् और विश्वभानुः** (डॉ.रवीन्द्र नागर) (२०१२)
११२. **श्रीधरभास्करवर्णेकरकृत 'श्रीशिवराजज्योदयमहाकाव्यम् का साहित्यशास्त्रीय अध्ययन** (डॉ.अभिनव शुक्ल) (२००७)
११३. **आयुर्वेदशास्त्रस्य परिप्रेक्ष्ये सत्याग्रहनीतिकाव्यस्य अनुशीलनम्** (डॉ.चन्द्रमौलि शुक्ल) (२००८)
११४. **बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में संस्कृत नाटक** (डॉ.अपर्णा द्विवेदी) (२०१०)
११५. **देवभूमिग्रामशतकम्** (हेमचन्द्र बेलवाल) (२०१४)
११६. **आचार्यराधावल्लभत्रिपाठी-अभिनन्दनग्रन्थ** (२०१४)
११७. **समष्टिः** (राधावल्लभत्रिपाठी) (२०१४)
११८. **आर्यार्णवः** (डॉ.शिवदत्तशर्मा चतुर्वेदी) (२०१४)
११९. **पुराणवैभवम्** (डॉ.कल्पना द्विवेदी) (२०१४)
१२०. मुनिसुतायन (डॉ.शैलकुमारी तिवारी) (२०१६)
१२१. योगविभूतिविमर्श (डॉ.अभिनव शुक्ल) (२०१६)
१२२. श्रीशिवराज्योदय-सहजबोध (डॉ.अभिवनव शुक्ल) (२०१६)
१२३. आद्योन्मेषः (डॉ.ऋषिराज पाठक) (२०१६)
१२४. चन्द्रिका (श्रीजी.एस.श्रीनिवासमूर्ति) (२०१७)
१२५. नवयौवनदिग्दर्शनम् (पं.विष्णुकान्तशुक्ल) (२०१७)
१२६. परिवर्तनकाव्यम् (डॉ.हेमचन्द्र बेनवाल, २०१७)
१२७. परिवर्तनम् (नाटकम्) (योगेश शर्मा), २०१७
१२८. चित्वा तृणं तृणम् (डॉ. संजय चौबे), २०१८
१२९. अर्वाचीनसंस्कृतसर्वस्वम् (डॉ. अभिनव शुक्ल), २०१८
१३०. डा. क्रान्तिकेशरी (डॉ. देवीसहाय पाण्डेय 'दीप'), २०१७
१३१. वाल्मीकिरामायण की धर्मभूमि (डॉ. देवीसहाय पाण्डेय 'दीप'), २०१८
१३२. लघुसंदेशकाव्यम् (डॉ. बलराम शुक्लः, डॉ. परमानन्द झाः), २०१५
१३३. गांव से शहर तक (दोहा-संग्रह) (डॉ. रामाकवतार शर्मा), २०१७
१३४. नरेन्द्र विजयम् (डॉ. अम्बालाल प्रजापति), २०१८
१३५. संघर्ष के साथ-साथ (डॉ. विनोद कुमार), २०१८
१३६. मेरी कालजयी आत्मकथा (डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना), २०१६
१३७. पत्थरों के शहर में, २०१६
१३८. संवेदनाएं बोलती हैं (योगेन्द्र कुमार), २०१७
१३९. महाकवि माघ (डॉ. उदाराम वैष्णव), २०१७
१४०. वृतान्त सात समुंदर पार का (योगेन्द्र कुमार), २०१८
१४१. डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी अभिनन्दन ग्रंथ (डॉ. कुसुम भूरिया दत्ता) २०१३

(ज) डॉ० रमाकान्त शुक्ल की प्रकाशित मौलिक संस्कृत रचनाओं की सूची

१.	वाणीं वयं वन्दामहे	(१४-९-१९९४)
२.	सुरभारती विजयते	(२४-१२-१९७५)
३.	वेदवाणीं नुमः	(२८-२-१९९५)
४.	धन्वन्तरिं तमीडे	(८-९-१९९१)

५. महाकाल-मालिका (२-३-१९९२)
६. नमः शास्त्रिणे वीरधुर्याय तस्मै (२-१०-१९६५)
७. उज्जयिनीयं जयति (३१-११-१९८२)
८. राजस्थानम् (१३-४-१९८४)
९. अहं स्वतन्त्रता भणामि (१५-८-१९८३)
१०. रौति ते भारतम् (१२-१०-१९८५)
११. राष्ट्रदेवते ! (२९-१२-१९८५)
१२. भारतजनताहम् (१५-७-१९८६)
१३. फिलाडेल्फिया (१७-१०-१९८६)
१४. मेघप्रबोधनम् (५-१०-१९८७)
१५. अकालजलद ! (१३-१५-३-१९८८)
१६. स्वागतं पयोद ! ते (१-१५-७-१९८८)
१७. नेहरुं तं स्मरामो वयं सादरम् (१४-११-१९८८)
१८. जाबालिपुरं चल ! (२२-१२-१९८८)
१९. एकं सद्बहुधा विलोक्यते भारतम् !(३१-१-१९८९)
२०. उत्तरमङ्गलम् (१५-१-१९९०)
२१. वदत नेतारो मनाक् ! (२९-१०-१९९०)
२२. किं जीवनं ते ! (२९-३-१९९१)
२३. ब्रूहि जगन्नाथस्वामिन् ! (६-६-१९९१)
२४. वन्दनीयास्ते (१४-१-१९९३)
२५. मदीयकविते ! कुरुष्व गानम् (२६-१२-१९९३)
२६. वन्द्यतां कापि सा शासनासन्दिका (२६-६-१९९५)
२७. तं सुभाषं स्मरामो वयं सादरम् (१०-८-१९९६)
२८. तस्य स्मृतिर्विजयते पुरुषोत्तमस्य (१४-९-१९९६)
२९. स्वतन्त्रतायाः स्वर्णजयन्ती (१५-८-१९९७)
३०. लोकतन्त्रेऽस्मिन् (२०-१-१९९८)
३१. भारतस्य विजयोऽयम् (१६-१२-१९९८)
३२. प्रणम्याः कारगिलवीराः (२६-७-१९९९)
३३. योऽयं कृतः शपथस्त्वया १३-१०-१९९९)
३४. भावसन्धिः (१-१-२०००)
३५. त्वं चन्दनमसि हे प्रभो ! (१३-२-२०००)
३६. तुरीनोस्मृतिसपादशतकम् (१२-४-२०००)
३७. महाकुम्भे (१४-१-२००१)
३८. मित्रतां कामये शात्रवं चाश्रये (१७-७-२००१)
३९. आतंकवादस्य घोरताण्डवः (१५-१०-२००१)
४०. भारतस्य जनता समीक्षते (२४-१२-२००१)
४१. किं कुर्यात् (१) (१६.२.२००२)

७९.	पुस्तकम्	(०९.०१.२०११)
८०.	अन्नाहजारे !	(०९.०४.२०११)
८१.	श्रीमदन्नाहजारे! जय त्वं जय	(११.०४.२०११)
८२.	वर्धापनम्	(२७.०६.२०११)
८३.	नवाभिनन्दनम्	(२८.०६.२०११)
८४.	अभिवन्दनम्	(२९.०६.२०११)
८५.	पञ्चदशं विश्वसंस्कृतसम्मेलनम्	(१०.०१.२०१२)
८६.	गुर्जरीयां धरां तां नमामो वयम्	(१८.०२.२०१२)
८७.	इमौ मम हस्तौ	(०३.०३.२०१२)
८८.	वार्धक ! नमो नमस्ते !	(११.०५.२०१२)
८९.	प्राङ्गणबिल्ववृक्षः	(१७.०६.२०१२)
९०.	सुहृदुत्तमो मदीयो...	(१९.०६.२०१२)
९१.	बलात्कृतिर्मास्तु कुत्रापि	(३१.१२.२०१२)
९२.	नववर्ष !	(०१.०१.२०१३)
९३.	मतं देयम्	(०८.०४.२०१४)
९४.	सुदिन-कुदिन-षोडशी	(१२.०८.२०१४)
९५.	मनुजो न किं किं जायते	(२०१५)
९६.	अवधान-राजधानी १	(०३.११.२०१४)
९७.	अवधान-राजधानी २	(०९.११.२०१४)
९८.	आक्रमणं कुरु	(२३.०९.२०१६)
९९.	शोभनं कृतम्	(०८.१०.२०१६)
१००.	देशस्य राजधानी	(०७.११.२०१६)
१०१.	दशमगुरुवरं नमामि	(२१.०१.२०१७)
१०२.	राजकवित्वाकाङ्क्षा	(२१.०१.२०१७)
१०३.	विमुद्रीकरणप्रश्नोत्तरम्	(२१.०१.२०१७)
१०४.	गुरुवायुपुरेशदर्शनम्	(३१.०५.२०१७)
१०५.	श्रीक्षेत्रसम्मेलनम्	(१०.०६.२०१७)
१०६.	गोम्मटेशं जिनं तं मुदा भावये	(०८.०६.२०१७)
१०७.	चन्द्रगिरिदर्शनम्	(०९.०६.२०१७)
१०८.	नूतनं भारतम्	(०७.०७.२०१७)
१०९.	जयतु भारतम्, लसतु भारतम्	(०८.०७.२०१७)
११०.	राष्ट्रभाषा संस्कृतम्	(१३.०७.२०१७)
१११.	वंश-परिचयः	(१८.०७.२०१७)
११२.	किमु प्राचीनभाषैवासि?	(२०१२)
११३.	पुरस्कृति-प्रत्यपर्णम्	(२०१६)
११४.	बन्धो न मह्यं न रोचते	(२०१६)
११५.	सामान्यजनोऽहं भारतस्य	(२०१७)

११६. शान्तेर्गीतानि गायामि (२०१८)
११७. विज्ञापन-महिमा 2018
११८. आदिकविर्वाल्मीकिः

(झ) डॉ० रमाकान्त शुक्ल के प्रकाशित शोध लेखों की सूची

(अ.भा.प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे, हिन्दी अनुसंधान परिषद् दिल्ली, भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयाग तथा विविध संगोष्ठियों में प्रस्तुत शोध पत्रों एवं आकाशवाणी से प्रसारित वार्ताओं की सूची)

१. The Influence of Bana's Harshcharita on Rasishena's Padmapurana.
. संस्कृत के जैन पौराणिक काव्यों की शब्द-सम्पत्ति (पद्मपुराण, हरिवंश पुराण, आदि पुराण तथा उत्तरपुराण के सन्दर्भ में)
3. मोहन राकेश के द्वारा संस्कृत-नाटाकों के अनुवाद (रूपान्तरण का सन्दर्भ)
4. बाणभट्ट की आत्मकथा का साहित्यिक आधार (नया चषक पुराना कादम्ब)
5. महाकवि जगद्धरभट्ट के काव्य-सिद्धांत
6. बादल और पण्डितराज जगन्नाथ
7. रविषेणकृतवर्णनानामध्ययनम्
8. विशेषणमालालंकार स्थापनम्
9. रविषेणचार्यस्य हिंसायज्ञविरोधः
10. रविषेण के अनुसार नारियों के लिए उपयोगी कलाएँ
11. संस्कृत काव्य में तुक की प्रवृत्ति
12. जैन रामकाव्य परम्परा और मानस के रावण की तुलना
13. साकेत वासियों की रणसज्जा : मौलिकता का प्रश्न
14. विशेषणमाला अलंकार : एक स्थापना
15. अंग्रेज राजभक्ति और हिन्दी कविता
16. संस्कृत काव्य के विकास में जैन कवियों का योगदान (समीक्षा)
17. छायावादी काव्य में बिम्बविधान (समीक्षा)
18. हिन्दी जैन भक्तिकाव्य और कवि (समीक्षा)
19. गजानन माधव मुक्तिबोध (समीक्षा)
20. एक विश्वास और (समीक्षा)
21. रविषेणाचार्ये कालिदासप्रभावः
22. जैन साहित्य की हिन्दी को देन
23. The Influance of Kalidasa on Ravishena.
24. संस्कृत कवि श्री ब्रह्मानन्द शुक्लः संस्कृत कवियों की दृष्टि में
25. विंश्यां शताब्द्यां रचितानां संस्कृतमहाकाव्यानामितिहासलेखनस्यावश्यकता
26. हिन्दी काव्य शास्त्र की मौलिकता
27. श्रीहर्ष का नैषधीयचरित
28. कालिदास का रघुवंश
29. संस्कृत काव्य में सर्वधर्म समभाव
30. प्रो. चारुदेवशास्त्रिकृत गान्धिचरितस्य समीक्षा

31. धर्म : एक परिभाषा
32. Influance of Hindi on Sanskrit (with special reference to prosody)
33. 'नेहरूचरित' – 'नेहरूयश:सौरभ' 'महाकाव्ययो: सूक्तिविधानम्'
34. श्रीमद्भागवत में अनुष्टुभ्
35. ब्रज साहित्य में वसन्त वर्णन
36. संस्कृत कवियों का राष्ट्रप्रेम
37. शूद्रक के नाटकों में समाज चित्रण
38. कह्लण वैशिष्ट्य
39. रघुवंश में ब्रज वर्णन
40. चारित्रसुन्दरगणिकृत शीलदूत
41. जैन काव्यों में कृष्णकथा
४२. संस्कृत काव्यों में गंगा
४३. अर्वाचीनसंस्कृतम् में समकालीन घटनाओं का चित्रण
४४. पउमचरिउ में उपमा सौन्दर्य
४५. पउमचरिए में छन्द योजना
४६. वज्जालग्गं – एक परिचय
४७. संस्कृतगीताञ्ललि–समीक्षणम्
४८. गुजरातगौरवलहरी–समीक्षणम्
४९. विवेकानन्दसार्धशताब्दीकाव्यसमीक्षणम्
५०. 'सम्प्रति' परिचय
५१. हिन्दीसाहित्ये उपनिषदां प्रभाव:
५२. पद्मपुराण मे कला
५३. विवेकानन्दपरक संस्कृतकाव्यों में शिकागो सभा का प्रसंग।
५४. माहेश्वरसूत्रेष्वित्संज्ञकवर्णानां चयनस्यौचित्यम्।
५५. अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये पर्यावरणचेतना।
५६. जैनरामकथापरकाणि प्राकृतसंस्कृतापभ्रंशकाव्यानि।
५७. कलाशिल्पविमर्श:
५८. शिशुपालवधे यमकालङ्कार:
५९. आदिकवि:
६०. अर्वाचीनसंस्कृतस्य प्रगतियात्रा
६१. संस्कृतकाव्यशास्त्रे रस:
६२. वाल्मीकि रामायण और जैन रामायण का वैशिष्ट्य (27.07.2018)
६३. संस्कृतवाङ्मये पर्यावरणचिन्तनम् (16.02.2018)
६४. कर्पूरमंजरी की अलंकार योजना का वैशिष्ट्य
६५. संत कवियों का सामाजिक चिंतन (दिसम्बर, 2017)
६६. गउडबहो में वर्णित संदर्भो की साम्प्रतिक प्रासंगिकता (27.02.2018)
६७. रघुवंश : ध्वनिरूपक
६८. विदेशों में संस्कृत अध्ययन का क्रम (काशी विवि में यूजीसी सेमिनार में पठित)
६९. विदेशों में संस्कृत अध्ययन (आकाशवाणी साक्षात्कार) प्रसारण तिथि : २३.०९.२०१८
७०. अभिनव सतसई में प्रयुक्त दोहों का वैशिष्ट्य, २०१८

7. रमाकान्त शुक्ल के निर्देशन में शोधोपाधि प्राप्त करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या - 2

8. डॉ० रमाकान्त शुक्ल को अभी तक प्राप्त सम्मान

1. उ०प्र० शासन का विशिष्ट पुरस्कार, 1974
2. उ०प्र० संस्कृत अकादमी से पांच पुस्तकों पर पुरस्कार
3. दिल्ली संस्कृत अकादमी से संस्कृत समाराधक सम्मान
4. दिल्ली संस्कृत अकादमी से अखिल भारतीय मौलिक संस्कृत साहित्य रचना पुरस्कार
5. दिल्ली संस्कृत अकादमी से संस्कृत साहित्य सेवा सम्मान
6. दिल्ली संस्कृत अकादमी से अखिल भारतीय संस्कृत पत्रकारिता सम्मान
7. संस्कृत प्रचारक मंडल दिल्ली से कविरत्न, कविशिरोमणि तथा संस्कृत राष्ट्र कवि अलंकरण
8. साहित्य संगम दिल्ली से संस्कृत-हिन्दी सेतु विरुद ।
9. उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ से 'कालिदास-पुरस्कार' (2002)
10. **'देववाणी सुवास'** अभिनन्दन ग्रन्थ से सम्मानित, 1993
11. राष्ट्रपति-सम्मान प्रमाण-पत्र (संस्कृत) 2009
12. भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली द्वारा कौस्तुभ पुरस्कार 2011
13. पद्मश्री सम्मान 2013
14. विल्लूर नडादूर आशुकवि सार्वभौम श्रीनिधिराघवार्य फेमिली ट्रस्ट (वेफ्ट), चेन्नई द्वारा 'कविकुञ्जर-'विरुद के साथ एक लाख रुपये का पुरस्कार।
15. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 20.08.2008 को कवि सपर्या में सम्मानित।
16. डॉ.अभिराज राजेन्द्र मिश्र द्वारा 'सुरभारती सिंहनाद' और 'स्रग्विणीराजराज' विरुद प्रदान।
17. डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी द्वारा अक्षरा पुस्तक में 'राष्ट्र-स्वर' विशेषण प्रदान।
18. उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान का 2012 वर्षीय 'नारद पुरस्कार'
19. 'मम जननी' काव्य संग्रह पर 2013 वर्षीय 'विशेषपुरस्कार'
20. वाराणसी का वाकोवाक्य सम्मान (2014)
21. विद्याभूषण ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा 'साहित्य-महोदधि' उपाधि एवं एक लाख रूपये का पुरस्कार (2015)
22. डॉ. इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव' के प्रधान सम्पादकत्व में चार खण्डों में प्रकाशित 'श्रीहीरकप्राभृतम्' शीर्षक अभिनन्दन ग्रंथ डॉ. शुक्ल के 75वें वर्ष की पूर्ति पर समर्पित (24.12.2015) तथा (04.01.2016)
23. हिम्मत नगर, गुजरात से 'निम्बार्क शिखर सम्मान' (2013)
24. 'राजधानी-रचना:' पर उ.प्र.संस्कृत संस्थान लखनऊ का 2015 वर्षीय विशेष पुरस्कार
25. अखिल भारतीय विद्वत्परिषद्, काशी द्वारा 'महामहोपाध्याय सम्मान' (2016)
26. दिल्ली लाईब्रेरी बोर्ड, दिल्ली द्वारा संस्कृत पत्रिका सम्पादक सम्मान प्रथम पुरस्कार (28.3.2018)
27. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर द्वारा सम्मान-पत्र (दिनांक 30.08.2018)
28. साहित्य अकादमी पुरस्कार 2018('मम जननी' काव्यसंग्रह पर)

9. संस्कृत को लोकप्रिय बनाने में डॉ रमाकान्त शुक्ल का विशेष योगदान

1. भाति मे भारतम् कविता के भारत के विभिन्न भागों तथा विश्व के अनेक देशों में सस्वर पाठ तथा सामूहिक गान एवं दिल्ली दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर इस कविता के स्वयं लिखित तथा निर्देशित बीस भागों के अनेक बार प्रसारण से संस्कृत को जनसाधारण में लोकप्रिय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2. आकाशवाणी तथा दूरदर्शन से स्वलिखित अनेक संस्कृत नाटकों, वार्ताओं तथा कविताओं के

प्रसारण से संस्कृत के प्रति श्रोताओं की रुचि का संवर्धन (1963 से 2004 तक)।

3. **संस्कृत कैसटों को ध्वन्यंकन :** भाति मे भारतम्, भक्ति रसायनम्, श्रीमद्भागवत सम्पूर्ण, कालिदास कृत कुमारसम्भव, रघुवंश, ऋतुसंहार, मेघदूत, जगद्धरभट्ट कृत स्तुति कुसुमांजलि, पण्डितराज जगन्नाथकृत गंगा लहरी, शंकराचार्य कृत सौन्दर्य लहरी, बिन्सरमहादेव स्तोत्रावलि, श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीहनुमत्पंचाशत्, शरणागति षोडशी तथा स्तुतिकुसुमांजलि आदि अनेक संस्कृत ग्रन्थों के सस्वर पाठ का ध्वन्यंकन जो दिल्ली संस्कृत अकादमी, देववाणी परिषद्, दिल्ली तथा अन्यान्य संस्थाओं के आयोजनों में प्राय: सुनाया जाता है।

4. दिल्ली में संस्कृत के नाटकों का आयोजन, निर्देशन तथा अभिनय।

5. अखिल भारतीय संस्कृत कवि सम्मेलनों का आयोजन।

6. दूरदर्शन के लिए संस्कृत कवि वाणी, उज्जयिनी जयते, चित्रकालिदासीयम्, पंचनवतीयम् आदि कार्यक्रमों के निर्माण एवं प्रसारण से संस्कृत श्रोताओं की संख्या में रिकार्ड अभिवृद्धि।

7. दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर 24.06.2016 को एक घण्टे का कार्यक्रम आप पर केन्द्रित।

8. दूरदर्शन के राष्ट्रिय चैल से संस्कृत कवि सम्मेलनों में पठित कविताओं का प्रसारण (2018)

10. उन सम्मेलनों का विवरण जिनमें डॉ० रमाकान्त शुक्ल ने भाग लिया, शोधपत्र वाचन किया, मुख्यातिथित्व/सारस्वताथित्व/अध्यक्षता की।

सम्मेलन :

अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (उज्जैन अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (धारवाड़ अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (कुरुक्षेत्र अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (शान्ति निकेतन अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (जयपुर अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (अहमदाबाद अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (विशाखापट्टनम् अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (हरिद्वार अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (रोहतक अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (बड़ौदा अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (पुरी अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (वाराणसी अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (कुरुक्षेत्र अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (तिरुपति अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (गुवाहाटी अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (हरिद्वार अधिवेशन)
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) (सोमनाथ वेरावल अधिवेशन)
इनमें विशाखपट्टनम् अधिवेशन में प्राकृत एवं जैन विद्या अनुभाग की अध्यक्षता की
पुणे अधिवेशन में क्लासिकल संस्कृत अनुभाग की अध्यक्षता की तथा
बड़ौदा अधिवेशन में आधुनिक संस्कृत साहित्य अनुभाग की अध्यक्षता की
तिरुपति अधिवेशन में एस्थेटिक्स एण्ड पोएटिक्य अनुभाग की अध्यक्षता की
हरिद्वार अधिवेशन में 49 वें अधिवेशन के लिए उपाध्यक्ष चुने गये जो 18-20.05.2018 को श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में वेरावल में सम्पन्न हुआ जिसके समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. शुक्ल ने की (20.05.2018)

नागपुर में नवम्बर, 2019 में प्रस्तावित 50वें अधिवेशन की कार्य समिति के निर्वाचित सदस्य हैं।

विश्व संस्कृत सम्मेलन (WSC) (दिल्ली अधिवेशन) 1971, 2001, 2012

विश्व संस्कृत सम्मेलन (WSC) (वाराणसी अधिवेशन) 1981

विश्व संस्कृत सम्मेलन (WSC) (फिलाडेल्फिया अधिवेशन) 1984

विश्व संस्कृत सम्मेलन (WSC) (बंगलौर अधिवेशन) 1997

विश्व संस्कृत सम्मेलन (WSC) (ट्यूरिन अधिवेशन)

विश्व संस्कृत सम्मेलन (WSC) (एडिनबरा अधिवेशन) 2006

यू.जी.सी. तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठी में भागीदारी की।

इन सभी अधिवेशनों में शोधपत्र पाठ तथा संस्कृत कवि सम्मेलन का संचालन किया ।

भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2001 में दिल्ली में आयोजित विश्व संस्कृत सम्मेलन में एक अनुभाग का संयोजन, संचालन तथा शोध पत्र पाठ।

मौरिशस में 1984 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में भागीदारी का निर्वाह। संस्कृत काव्य पाठ तथा व्याख्यान

मुख्यातिथि, अखिल भारतीय संस्कृत विद्वत्सम्मेलन, श्रीक्षेत्र श्रवणबेलगोला, कर्णाटक (7-9.06.2017)

विशिष्टातिथि, अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृत सम्मेलन, श्रीक्षेत्र श्रवणबेलगोला, कर्णाटक (3-5.11.2017)

कवि सम्मेलन :

1. विश्व संस्कृत सम्मेलन के फिलाडेल्फिया (अमेरिका), बंगलौर, ट्यूरिन (इटली), एडिनबरा तथा नई दिल्ली अधिवेशनों के अवसर पर विश्व संस्कृत कवि सम्मेलन का संयोजन, संचालन तथा काव्य पाठ।

2. अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे के अनेक अधिवेशनों के अवसर पर आयोजित संस्कृत कवि गोष्ठियों का संचालन एवं काव्य पाठ।

3. आकाशवाणी द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित सर्वभाषा कवि सम्मेलन में संस्कृत कवि के रूप में सहभागिता तथा ''अहं स्वतन्त्रता भणामि'' कविता का पाठ जो भारत के सभी साहित्यिक भाषा में अनूदित होकर प्रसारित हुई।

4. आकाशवाणी द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित सर्वभाषा कवि सम्मेलन में संस्कृत के अनुवादक कवि के रूप में सहभागिता।

5. देववाणी परिषद् दिल्ली, दिल्ली संस्कृत अकादमी, कालिदास समिति उज्जैन, कालिदास अकादमी उज्जैन, मध्य प्रदेश संस्कृत अकादमी, राजस्थान संस्कृत अकादमी, गुजरात संस्कृत साहित्य अकादमी, हरियाणा संस्कृत अकादमी, उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, साहित्य अकादमी तथा देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं द्वारा आयोजित कवि सम्मेलनों में संस्कृत काव्य पाठ।

6. अ०भा० प्राच्य सम्मेलन के श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में 14 16.12.2002 को आयोजित 41वें अधि वेशन में अखिल भारतीय संस्कृत कवि सम्मेलन की अध्यक्षता तथा काव्य पाठ।

7. साहित्य अकादमी तथा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के गुरुवायूर परिसर के द्वारा आयोजित 'अ.भा.संस्कृत कवि सम्मेलन' की अध्यक्षता की तथा काव्यपाठ किया। (31.03.2017)

8. उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान तथा कवि सम्मेलन की अध्यक्षता। व्यास समारोह में काव्य पाठ, (वाराणसी)।

9. जे.एन.यू. द्वारा 12.08.2014 को आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में मुख्यातिथि के रूप में भागीदारी तथा काव्यपाठ किया।

10. श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ, नई दिल्ली के द्वारा 13.08.2014 को राष्ट्रिय संस्कृत कवि सम्मेलन में मुख्यातिथि के रूप में काव्य पाठ किया।

11. आकाशवाणी के राष्ट्रिय कार्यक्रम में 5.02.2014 संस्कृत कविता पाठ किया जिसे आकाशवाणी के सभी केन्द्रों से प्रसारित किया गया।

12. 1963 से 2014 तक आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों से संस्कृत की लोकप्रियता के प्रतिपादक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

13. अध्यक्ष, संस्कृत कवि सम्मेलन, संस्कृतसम्मेलन, सोलन, 15.09.2016
14. साहित्य अकादमी एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टपुरा द्वारा आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में अध्यक्षता व काव्यपाठ, 31.01.2017
15. अध्यक्ष, संस्कृत कवि सम्मेलन, श्रीक्षेत्र, श्रवणबेलगोला, कर्णाटक, दिनांक 07.06.2017
16. अध्यक्ष, संस्कृत कवि सम्मेलन, संस्कृत विभाग, रांची वि.वि., रांची (15.05.2016)
17. दिल्ली वि.वि. द्वारा आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि (01.09.2017)
18. अध्यक्ष, संस्कृत कवि सम्मेलन, अ.भा.प्रा.वि.स., सोमनाथ संस्कृत वि.वि., 49वां अधिवेशन (19.05.2018)
19. अध्यक्ष, संस्कृत कवि सम्मेलन, दशहरा मेला पण्डाल लखीमपुर खीरी, उ.प्र. (2016)
20. अध्यक्ष, संस्कृत कवि सम्मेलन, दशहरा मेला पण्डाल लखीमपुर खीरी, उ.प्र. (2017)
21. अध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्कृत कवि सम्मेलन, उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार (11.08.2018)
22. कविता पाठ, राष्ट्रीय संस्कृत कवि सम्मेलन, दिल्ली संस्कृत अकादमी, हरिद्वार (10.08.2018)
23. साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित बहुभाषा कवि गोष्ठी में संस्कृत कविता पाठ
24. उ.प्र. संस्कृत संस्थान द्वारा वाल्मीकि जयंति के अवसर पर 24.10.2018 को आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में कविता पाठ के लिए आमंत्रित

विद्वत् सभा :

12. जगद्गुरु शंकराचार्य कांचीकामकोटि पीठ तथा श्रृंगेरी के सान्निध्य में आयोजित विद्वत् सभाओं एवं काव्य पाठ में भागीदारी।

13. अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन, पुणे (AIOC) के अधिवेशनों में आयोजित पण्डित परिषद् में भागीदारी तथा पत्र पाठ।

14. देववाणी परिषद् की विद्वद्गोष्ठियों में भागीदारी।

डिबेट :

छात्रावस्था में 25 से अधिक संस्कृत वाद विवाद प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार, 1960 में संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा आयोजित संस्कृत वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा पदक प्राप्त किया।

संस्कृत वर्ष आयोजन :

संस्कृत वर्ष के अवसर पर देववाणी परिषद् दिल्ली में अखिल भारतीय संस्कृत पत्रिका, श्लोक पाठ प्रतियोगिता एवं बीसवीं शताब्दी में रचित संस्कृत काव्य के शताधिक श्लाकों के सस्वर कण्ठस्थ पाठ की प्रतियोगिता का संयोजन, संचालन।

संस्कृत वर्ष के अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विश्व संस्कृत सम्मेलन अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के संस्कृत महोत्सव तथा देश के अनेक विश्वविद्यालयों तथा संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में कवि, वक्ता तथा समीक्षक के रूप में भागीदारी।

11. (क) विश्वविद्यालयों में डॉ० शुक्ल की कृतियों पर शोध

1. आगरा वि०वि० से डॉ० विद्या गर्ग ने ''डॉ० रमाकान्त शुक्ल : व्यक्तित्व और कर्तृत्व'' शीर्षक शोध प्रबन्ध पर पीएच०डी० उपाधि प्राप्त की।

2. डॉ० अनिल कुमार पाण्डेय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी में डॉ० शुक्ल के ''भाति मे भारतम्'' काव्य पर पीएच०डी० शोध प्रबन्ध लिखा तथा पीएच०डी० उपाधि प्राप्त की।

3. राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के संस्कृत विभाग में प्रो० सुभाष वेदालंकार के निर्देशन में ''डॉ० रमाकान्त शुक्ल की संस्कृत साधना'' विषय पर शोध कार्य कर डॉ.दीनदयाल मीना ने पीएच.डी. प्राप्त की।

4. मगध वि०वि० में ''डॉ० रमाकान्त शुक्ल की संस्कृत रचनाओं में राष्ट्रीय चेतना'' विषय पर डॉ० मारुतिनन्दन पाठक के निर्देशन में पीएच०डी० शोध कार्य सम्पन्न कर श्रीराजशेखरमिश्र ने पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की।

5. हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल वि० वि० में प्रो० हरिश्चन्द्र के निर्देशन में कु० रीना खन्ना ने डॉ० शुक्ल की रचनाओं पर शोध प्रबन्ध लिखकर पीएच०डी० शोध उपाधि प्राप्त की।

6. चौ० चरणसिंह वि० वि० मेरठ में सभापति शास्त्री के निर्देशन में श्री दुर्गाप्रसाद सिंह ने 'कविवर रमाकान्त शुक्ल का संस्कृत साहित्य का योगदान ' विषय पर पी-एच०डी० शोधकार्य कर पीएच०डी० शोध उपाधि प्राप्त की।

7. गुजरात विश्वविद्यालय से डॉ. हर्षदेव माधव के निर्देशन में 'सर्वशुक्ला के कवि डॉ.रमाकान्त शुक्ल' विषय पर संस्कृत में श्री अशोक पटेल ने पीएच०डी० शोध उपाधि प्राप्त की।

8. जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर से डॉ.रामेश्वर प्रसाद गुप्त के निर्देशन में प्रवेन्द्र कुमार शर्मा ने 'आचार्य रमाकान्त शुक्ल कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन' विषय पर पीएच.डी. प्राप्त की (2016)

9. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुख्यालय नई दिल्ली से डॉ.जयप्रकाश यादव के निर्देशन में डॉ. रमाकान्त शुक्ल के सर्वशुक्लोत्तरा कविता संग्रह पर श्री चन्द्रप्रकाश उप्रेती ने विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि प्राप्त की। (2014)

10. श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ में प्रो.देवदत्त चतुर्वेदी के निर्देशन में डॉ.रमाकान्त शुक्ल के नाट्यसप्तकम् पर पीएच.डी. शोधकार्य चल रहा है।

11. कोटा वि.वि. में श्रीमती सीमा मीना डॉ.शुक्ल की नाट्य रचनाओं पर शोधरत हैं।

(ख) **शैक्षिक संस्थाओं तथा समितियों की सदस्यता :**

1. अ०भा० प्राच्य विद्या सम्मेलन, विश्व संस्कृत सम्मेलन, देववाणी परिषद्, दिल्ली, कालिदास समिति विक्रम वि०वि० उज्जैन तथा अन्य अनेक संस्थाओं की आजीवन सदस्यता।

2. अ०भा० प्राच्यविद्या सम्मेलन पुणे की कार्य समिति की सदस्यता (8 अधिवेशनों के लिए)।

3. साहित्य अकादमी संस्कृत पुरस्कार समिति की सदस्यता

4. आकाशवाणी, स्क्रीनिंग समिति तथा पुरस्कार समिति की सदस्यता

5. मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को केन्द्रीय विश्वविद्यालय अथवा राष्ट्रिय महत्त्व के संस्थान का स्तर देने पर विचार करने के लिए गठित समिति की सदस्यता (2013)।

6. परामर्शदाता - संस्कृत-संवाद (पाक्षिक संस्कृत पत्र), दिल्ली।

7. परामर्शदाता - संस्कृत-वार्ता (त्रैमासिक संस्कृत पत्रिका), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली।

8. परामर्शदाता - संस्कृत-वाणी (पाक्षिक संस्कृत पत्र), श्रीनिवास संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।

9. परामर्शदाता - मेधा संस्कृत पत्रिका, रायपुर

10. स्वस्तिवाचन संस्था के ब्राण्ड एम्बसेडर।

11. छात्रबन्धु संस्था के संरक्षक, नई दिल्ली

12. अध्यक्ष, भारतीय संस्कृत पत्रकार संघ।

13. महासचिव, देववाणी परिषद्, दिल्ली (13.12.1976-24.12.2016 तक)।

14. अध्यक्ष, देववाणी परिषद्, दिल्ली (24.12.2016 से)।

15. परामर्शदाता - वैशारदी त्रैमासिक पत्रिका दिल्ली (2018)

इन्टरनेट पर :

वाशिंगटन (अमेरिका) की लायब्रेरी ऑफ कांग्रेस के द्विशताब्दी समारोह के अवसर पर वल्ड ''लिटरेचर ऑन टेप'' प्रकल्प के साउथ एशियन लिटरेरी रिकार्डिंग प्रोजेक्ट खण्ड में संस्कृत कवि के रूप में एक

घण्टे का ध्वन्यंकित काव्य पाठ जिसे इन्टरनेट पर वेब साइट नं० http://www.loc.gov/acq/ovop/delhi/salrp/shukla.html पर देखा सुना जा सकता है।

एतदतिरिक्त यूट्यूब तथा फेसबुक पर भी डॉ.शुक्ल के द्वारा गीत 'भाति मे भारतम्' तथा अन्य कार्यक्रम देखे-सुने जा सकते हैं।

विशेष :

अर्वाचीनसंस्कृतम् त्रैमासिक साहित्यिक संस्कृत पत्रिका के संस्थापक सम्पादक के रूप में संस्कृत के पत्रकारिता जगत को विशिष्ट योगदान। 1979 से अब तक लगभग 10000 पृष्ठों में 159 अंक सम्पादित तथा प्रकाशित।

डॉ.रमाकान्त शुक्ल की संस्कृत सेवा का मूल्यांकन

(1). डॉ.रमाकान्त शुक्ल के काव्य ग्रन्थों - 'भाति मे भारतम्', 'जय भारतभूमे', 'पण्डितराजीयम्', 'अभिशापम्', 'भारतजनताहम्', 'सर्वशुक्लोत्तरा', 'राजधानी-रचना:' तथा 'मम जननी' को उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी और उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान ने विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। इनके ग्रन्थ 'जैनाचार्य रविषेण कृत पद्मपुराण और तुलसीकृत रामचरितमानस को उ.प्र.शासन ने पुरस्कृत किया। इनके काव्य 'भारतजनताहम्' तथा ध्वनिनाटक 'नाट्यसप्तकम्' को दिल्ली संस्कृत अकादमी ने पुरस्कृत किया है। इनके कविता संग्रह सर्वशुक्लोत्तरा को भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली ने 'कौस्तुभ पुरस्कार' तथा उ.प्र.संस्कृत संस्थान ने 'विशेष पुरस्कार' से सम्मानित किया है। 'वसुमती-शतक' पर इनकी रमा टीका को वेफ्ट संस्था ने पुरस्कृत किया है। डॉ.शुक्ल का काव्य 'भाति मे भारतम्' अंशत: अथवा पूर्णत: देश के माध्यमिक शिक्षा बोर्डो में उच्च माध्यमिक शिक्षा मण्डलों में तथा अनेक विश्वविद्यालयों में पाठ्यत्वेन विगत 3 दशकों से पढाया जा रहा है। सी.बी.एस.ई. की कक्षा 9 में संस्कृत की पाठ्य पुस्तक मणिका में 'भारतेनास्ति मे जीवनं' पाठ में 'भाति मे भारतम्' के पद्य पाठ्यत्वेन संकलित किये गये, जो 2000 से 2017 तक पढ़ाये जाते रहे। 2018 से शुक्ल की कविता 'भारतजनताहम्' के पद्य एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित रूचिरा पाठ्यपुस्तक में 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए पाठयत्वेन निर्धारित किए गए हैं। असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी द्वारा 'संकृतबोध:' में 'भाति मे भारतम्' के पद्य निर्धारित हैं। इनके प्रकाशित ग्रन्थों को साहित्य जगत में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2012 के नारद पुरस्कार से भी इन्हें सम्मानित किया है।

(2) संस्कृत सेवा और संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु मॉरीशस में 14 दिन तक भाषण, काव्य पाठ तथा सरल संस्कृत शिक्षण कार्य किया। 1984 में भारत सरकार के त्रिसदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल के सदस्य के हैसियत से मारीशस में आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन में भागीदारी की और संस्कृत को लोकप्रियता प्रदान की। विश्व संस्कृत सम्मेलन के फिलाडेल्फिया (1984) अधिवेशन में सर्वप्रथम विश्व संस्कृत कवि सम्मेलन के लिए आयोजकों से समय निर्धारित कराया तथा संस्कृत रचनाओं को प्रस्तुत कराया जिसे प्रेस ने भी सराहा। बैंगलौर अधिवेशन में विधिवत् कवि सम्मेलन का समय निर्धारित हुआ जिसका संचालन रमाकान्त शुक्ल और स्व. भास्कराचार्य त्रिपाठी ने किया। कवि सम्मेलन की परम्परा को आगे चलकर आयोजकों ने पूर्वत: ही विश्व संस्कृत सम्मेलन के अंग रूप में निर्धारित किया। 1963 से 2018 तक आकाशवाणी और दूरदर्शन पर आपके संस्कृत काव्यपाठ के कार्यक्रम प्रसारित किये गये हैं, जिन्हें श्रोताओं और दर्शकों ने अत्यन्त पसन्द किया है।

(3) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को केन्द्रीय वि.वि. अथवा राष्ट्रिय महत्त्व के स्तर देने के लिए विचारार्थ गठित समिति का सदस्य डॉ.शुक्ल को बनाया गया। जिसकी तीन बैठकें 2013 में आयोजित की गईं। डॉ.शुक्ल को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के आधुनिक संस्कृत साहित्य विभाग का अन्यतम संयोजक और अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुख्यालय नई दिल्ली में शास्त्रचूडामणि विद्वान् के पद पर 3 वर्ष (अप्रैल 2009 से 2013) रहकर डॉ. शुक्ल ने महत्त्वपूर्ण परियोजना का संचालन किया।

(4) **ख्याति** - रमाकान्त शुक्ल ने हिन्दी भाषा और साहित्य के अध्यापक के रूप में 43वर्ष तक सेवाकार्य करते हुए भी संस्कृत की स्वान्त:सुखाय और लोकाराधन के लिए निष्काम सपर्या की। आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से उन्होंने

संस्कृत की मधुर और ओजस्वी कविताओं तथा अन्यान्य कार्यक्रमों के माध्यम से अभूतपूर्व ख्याति प्राप्त की। संस्कृत कवि सम्मेलनों की सफलता के लिए (स्व.) आचार्य श्रीनिवास रथ, अभिराज राजेन्द्र मिश्र और रमाकान्त शुक्ल की त्रयी सुख्यात रही है। डॉ.शुक्ल की कालजयी कविता 'भाति मे भारतम्' को उन्होंने 1000 से अधिक बार स्वयं गाया। बड़े बड़े समारोहों में और श्रोताओं से भरे सभागारों में सभी श्रोताओं के साथ इस रचना का सस्वर पाठ कर डॉ.शुक्ल 'भाति मे भारतम्' के नाम से प्रसिद्ध भी हो गए। यूट्यब तथा फेसबुक पर भी संस्कृत रचनाओं के माध्यम से उनकी लोकप्रियता बनी हुई है। उनके कार्यक्रमों को देख सुनकर अनेक प्रशंसक रेडियो व दूरदर्शन से उनके पुनः प्रसारण का अनुरोध कर चुके हैं। कई संस्थाओं ने विविध चैनलों पर आपकी रचना को सामुहिक रूप से गाया है।

काशी की अखिल भारतीय विद्वत्परिषद् ने आपको 2016 में 'महामहोपाध्याय' की उपाधि से अलंकृत किया है।

(5) डॉ.शुक्ल ने संस्कृत साहित्य की आधुनिक सन्दर्भों में विशेष प्रस्तुति की है। जैसा कि अर्वाचीनसंस्कृतम् नाम से ही सिद्ध होता है कि डॉ.शुक्ल ने आधुनिक सन्दर्भों में रचनाधर्मिता को आगे बढाया। प्रत्यग्र विषयों पर इस पत्र में संस्कृत के लेख एवं कविताएँ 1979 से प्रकाशित हो रही हैं। आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी, स्व. आचार्य श्रीनिवास रथ, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र, आचार्य इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव' और स्वयं सम्पादक रमाकान्त शुक्ल ने अपनी प्रत्यग्र रचनाओं में संस्कृत का विनियोग कर समाज को सन्मार्ग दिखाया है। 'भाति मे भारतम्', 'रौति ते भारतम्', 'अहं स्वतन्त्रता भणामि' 'भारतजनताहम्' आदि कविताएँ आधुनिक सन्दर्भों से संवाद करने वाली हैं। अर्वाचीनसंस्कृतम् के 40 वर्षों में 159 अंकों का प्रकाशन किया जा चुका है। इसमें अभी तक 1167 मौलिक रचनाएं और 250 शोधात्मक तथा समीक्षात्मक लेखों को प्रकाशन हो चुका है।

(6) डॉ. शुक्ल ने अपनी सभी संतानों को स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर तक संस्कृत का अध्ययन कराया है। इनमें दो पुत्र पीएच-डी. तथा विद्यावारिधि भी हैं यद्यपि संस्कृत अध्यापन से ये जीविकोपार्जन नहीं करते।

■■■